तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि

# बेमेतरा भूमि

रायपुर, बुधवार 15 अक्टूबर 2025

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

14 सांसद खेल महोत्सव में छात्रों ने दिखाया हुनर

12 गौरा-गौरी की स्थापना के लिए फूल कूटने की ...

## खबर संक्षेप

### जिपं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक कल

**राजनांदगांव।** जिला पंचायत-सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 16 अक्टूबर को शाम 4.30 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में एजेंडावार विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

### उपकरण के लिए 2 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

**राजनांदगांव।** जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह ने मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना अंतर्गत छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूबंजारी एवं बादराटोला में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र व सीएससी भवन में कम्प्यूटर एवं अन्य सहायक उपकरण हेतु 1-1 लाख रुपए कुल 2 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

### अखिलेश्वर बने समिति के अध्यक्ष

**राजनांदगांव।** छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति के अनुशांगिक संगठन छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सहित विभिन्न पदाधिकारी व सदस्य चुने गए। शरद पूर्णिमा के अवसर पर शहर के पुराने विश्राम गृह में आयोजित कवि, साहित्यकार एवं साहित्य सुधियों की बैठक में वरिष्ठ कवि अखिलेश्वर प्रसाद मिश्रा सर्वसम्मति से समिति का जिलाध्यक्ष चुना गया। इसी तरह कवि मानसिंह मौलिक सचिव, पवन यादव संयोजक तथा कवयित्री सुषमा शुक्ला एवं कवि थंगेश्वर कुमार साहू उपाध्यक्ष बने हैं। वहीं सह-सचिव शैलेष गुप्ता व सह-संयोजक तारिक ललानी बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति के संरक्षक मंडल में वरिष्ठ कवि आत्माराम कोशा, शशिकांत द्विवेदी, डॉ. शंकर मुनि राय, गिरीश ठक्कर, पद्मलोचन शर्मा, अशोक चौधरी, समाजसेवी शारदा तिवारी, राकेश इंदूभूषण ठाकुर, प्रो. केके द्विवेदी शामिल हैं। उक्ताशय की जानकारी साहित्य समिति के सचिव मानसिंह द्वारा दी गई है।

### समिति ने कलेक्टर का किया स्वागत

**राजनांदगांव।** श्री शिवनाथ क्षेत्रीय विकास समिति राजनांदगांव के अध्यक्ष डॉ. डीसी जैन, सचिव अमलेंदु हाजरा, एसके तिवारी, निखिल मंगवानी एवं अन्य सदस्यों ने जिला कार्यालय स्थित कलेक्टर कक्ष में नए कलेक्टर जितेंद्र यादव के पदभार ग्रहण करने के उपरांत सौजन्य भेंट कर उनका पुष्प गुच्छ से स्वागत कर शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी समिति की ओर से शैलेंद्र तिवारी द्वारा दी गई।

### राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्राथमिकता सुनिश्चित करें : कलेक्टर

# किसान धान बिक्री करने से वंचित न हो अधिकारी होंगे जिम्मेदार, होंगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की। कलेक्टर शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन गंभीरता पूर्वक करें। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप तय समय-सीमा में निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रगति में अपेक्षित कमी पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

- अवैध रेत उत्खनन और शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाए

कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले के सभी किसान बिना किसी परेशानी के धान विक्रय कर सकें, ऐसी व्यवस्था बनाएं। उन्होंने कहा कि किसानों से धान खरीदी शासन की महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसे प्राथमिकता में शामिल करें।

उन्होंने कहा कि कोई भी किसान धान बेचने के लिए परेशान ना हो। कलेक्टर ने कहा कि किसी किसान को धान विक्रय करने में वंचित होने की दशा में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर शर्मा ने प्रधानमंत्री सूर्य बिजली घर योजना अंतर्गत अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी बिजली उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री बिजली सूर्य घर योजना से होने वाले लाभ से भली भांति अवगत कराया जाएं। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री बिजली सूर्य घर योजना बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी महत्वाकांक्षी योजना है। योजना अंतर्गत हितग्राहियों को सब्सिडी मिलने के साथ ही बिजली बेचकर मुनाफा कमाने का एक सशक्त माध्यम साबित होगा कलेक्टर ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के अनेकों हितग्राहियों को योजना अंतर्गत शामिल कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही विभिन्न गतिविधियों में शामिल कर परंपरागत बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल गतिविधियों से जोड़कर उनके भविष्य सुदृढ़ करें। बैठक में स्पष्ट रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में कहीं भी अवैध रेत उत्खनन एवं अवैध रूप से शराब विक्रय की शिकायत नहीं आनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि ऐसी शिकायत मिलने पर तत्काल संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि अवैध रेत उत्खनन और अवैध शराब विक्रय होने की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जवाबदेही तय किया जाएगा।

कलेक्टर शर्मा ने सांसद खेल महोत्सव की तैयारी की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को महोत्सव को सफल बनाने के लिए निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने स्थानीय स्तर पर आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभागों में लंबित प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समयसीमा में कर लें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों से कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता का परिचय दें। राजस्व से संबंधित प्रकरण जैसे नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, भू अर्जन के प्रकरणों का निराकरण संबंधित हितग्राही के हित को ध्यान में रखकर अविलंब करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभागीय प्रयोजन के लिए आवंटित राशि का सुचिता के साथ सदुपयोग करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि शासकीय राशि का वास्तविक प्रयोजन के लिए ही राशि खर्च करें। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय प्रयोजन के लिए आवंटित राशि में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए कड़ी कार्रवाई किया जाएगा।

# क्रीड़ा प्रतियोगिता में जेवरा के 13 खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता कबीरधाम में 10 से 13 अक्टूबर तक आयोजित सॉफ्टबाल खेल में दुर्ग संभाग की टीम में शामिल बेमेतरा जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 17 वर्ष आयु वर्ग बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीत कर शानदार प्रदर्शन किया। विदित हो कि 17 वर्ष आयु वर्ग में दुर्ग की टीम ने गत वर्ष भी जांजगीर मे दोनो वर्गों में स्वर्ण पदक जीता था। कवर्धा के छीरपानी मैदान एवं पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के पांच संभाग की टीमों के मध्य हुए सॉफ्टबाल के मैचों मे दुर्ग संभाग की टीम में शामिल बेमेतरा जिले के कुल 13 बालक बालिकाओं ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया और पूरे टूर्नामेंट मे रायपुर, बिलासपुर, बस्तर तथा सरगुजा की टीम को हराकर सभी 13 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीता। इनमें जेवरा विद्यालय से कोमल पाटिल, राजू साहू, विशेष साहू, हुमांशु, संजय सिंह जेवरी विद्यालय ने 17 वर्ष आयु वर्ग में प्रतियोगिता में अपराजित रहकर सरगुजा, बस्तर, रायपुर, बिलासपुर संभाग की टीम को हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं 17 वर्ष की बालिकाओं ने फाइनल मैच में रायपुर की टीम को 4 रन के अंतर हराकर स्वर्ण पदक जीता। स्वर्ण पदक विजेता इस टीम में जेवरा स्कूल के पल्लवी साहू, सरिता साहू, रेशमा साहू, सुकृति निषाद, रेणुका साहू, केवरा साहू, त्रिवेणी मानिकपुरी, दीपिका निषाद ने बढ़िया खेल प्रदर्शन किया। दुर्ग संभाग के टीम के कोच व्यायाम शिक्षक जेवरा मृत्युंजय शर्मा थे। सभी खिलाड़ियों को पदक जीतने एवं संस्था का नाम रोशन करने पर प्रसन्नता व्यक्त कर जेवरा स्कूल प्राचार्य सोमेश्वर देवांगन, महेन्द्र पाटिल सरपंच एवं शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष, समिति सदस्य उदय भास्कर सिंग, प्रबल सिंग ठाकुर, ब्याख्याता नीता साहू,पुष्कर भोंसले, संतोषसाहू, रश्मिअग्रवाल, दीपशिखा माने, शाहिना सिन्हा, योगेश्वर देवांगन, पदमजा सिंग, मंजूषा सिंग, रौशनी गुप्ता, घनश्याम डनसेना, चिकेंद्र साहू, कविता शर्मा सहायक कोच प्रिन्स सिंग, कमल यादव आदि ने हर्ष जताया।

# पेपरलेस रजिस्ट्री से जमीन के दस्तावेज मिलेंगे वाट्सएप-ईमेल पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

सरकार रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया को पेपरलेस करने की तैयारी में है। पेपरलेस रजिस्ट्री लागू होने के बाद पक्षकारों को जमीन के पेपर उनके व्हाट्सएप नंबरों व ईमेल आईडी पर भेजे जाएंगे, जिसे फारवर्ड करते ही जितनी चाहे कॉपी निकाली जा सकेगी। सवाल यह उठ रहा है कि ऐसे में बैंक, लोन वाले मामलों के लिए किन दस्तावेजों को ओरिजनल माना जाएगा?

रजिस्ट्री की प्रक्रिया को हाईटेक करने सरकार लगातार नया प्रयोग कर रही है। इस कड़ी में सबसे पहला बदलाव ये किया गया है कि दस्तावेज अब मैनुअल की जगह माई डीड फार्मेट में तैयार होने लगे हैं। जिस पर जमीन खरीदने या बेचने जाने वालों के लिए दस्तावेज लेखकों के द्वारा माईडीड नामक साफ्टवेयर में दस्तावेज तैयार किए जाते हैं, जो पूरा होने के बाद विभाग के पोर्टल में पहुंचा दिया जाता है। इसी तरह रजिस्ट्री भी ऑनलाइन करने की तैयारी की जा रही है। इसके अंतर्गत पक्षकारों को स्टांप की खरीदी व रजिस्ट्री शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन करना होगा। अभी यह काम फिलहाल नगदी के माध्यम से किया जा रहा है। इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए विभाग द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्री को आने वाले समय में पूरी तरह लागू करते हुए न केवल स्टांप व रजिस्ट्री शुल्क ऑनलाइन लिया जाएगा, बल्कि रजिस्ट्री होने के बाद जमीन के दस्तावेज भी पक्षकारों को उनके रजिस्टर्ड नंबरों व ईमेल पर भेजे जाएंगे। अब तक अपनी जमीन पर घर बनवाने वाले लोगों को जमीन के मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने या जमा करने पर बैंक द्वारा फायनेंस किया जाता था। अब नई प्रक्रिया के अनुसार पक्षकारों को रजिस्ट्री की हार्डकॉपी दी ही नहीं जानी है। इस मामले पर पंजीयक कार्यालय का कहना है कि ऑनलाईन एवं शत प्रतिशत पेपरलेस रजिस्ट्री के चलन में आने के बाद पक्षकारों को दस्तावेजों की हार्डकॉपी नहीं दी जाएगी। पक्षकारों द्वारा रजिस्ट्री के दौरान दिए गए रजिस्टर्ड नंबरों एवं ईमेल पर ही जमीन के दस्तावेज भेजे जाएंगे वही दूसरी ओर दस्तावेज लेखक संघ का कहना है कि पेपरलेस रजिस्ट्री के लागू होने के बाद पक्षकारों को उनके रजिस्टर्ड नंबरों व ईमेल पर रजिस्ट्री के पेपर भेजे जाएंगे। जिस तरह से ऑनलाईन बनवाया गया बर्थ सर्टिफिकेट या आधार कार्ड सभी स्थानों पर मान्य किया जाता है। ठीक उसी प्रकार ऑनलाईन रजिस्ट्री पेपर भी मान्य किया जाना चाहिए।

- अब ऋण लेने किस दस्तावेजों को ओरिजनल माना जाएगा

### काबिज लोग पक्षपात पूर्ण कार्रवाई का लगा रहे आरोप

# तहसील न्यायालय भूमि जांच के लिए नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| देवकर

नगर पंचायत ने तहसीलदार के पत्र सौंपा कर कार्रवाई की मांग के पश्चात तहसील न्यायालय द्वारा देवकर नगर के 13 व्यक्तियों को काबिज भूमि की जांच के लिए नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ मौका में उपस्थित रहने निर्देश दिए जाने का मामला तुल पकड़ते जा रहा है।

तहसील न्यायालय से आवश्यक दस्तावेजों के साथ मौका में उपस्थित रहने निर्देश पश्चात इस मामले की नोटिस मिलते ही बलीराम सिन्हा, हरिण सिन्हा, शिवलाल शर्मा, मोहन जैन, रमेश मालू,बबला पाड़े,नवीन ताम्रकार, निज़ाम अब्बी,युगांतर अग्रवाल, कृष्णा सिन्हा, तिलक बंजारे सहित अन्य नोटिस प्राप्तकर्ताओं का कहना हैं कि तहसील न्यायालय द्वारा पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि बाप, दादा के समय से लगभग 80 वर्षों से यहां निवास एवं व्यवसाय कर जीवन यापन कर रहे हैं। जानकारी देते हुए बताया कि खसरा नंबर 1042/1, लगभग 33 एकड़ में देवकर कि बसाहट है, परंतु लगभग 7 हज़ार कि बसाहट में सिर्फ़ 13 को नोटिस मिलने से तहसील न्यायालय कि कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है।

मंगलवार इस मामले में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पन्ना लाल जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन ताम्रकार, भाजपा ज़िला अल्पसंख्यक कोषाध्यक्ष रावल जैन कि अगुवाई में पीड़ित 13 व्यक्तियों का हस्ताक्षरित ज्ञापन तहसीलदार देवकर को सौंपा गया है। ज्ञापन में 17 सितम्बर कि परिषद में प्रस्तावित नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत सभी शासकीय भूमि का सीमांकन जिसमें निर्वाचित जनप्रतिनिधि के परिजन भी शामिल है, उसकी पहले जांच की मांग की गई है। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट कि जमीन पर काबिज को भी बेदखल कि बात लिखी गई है। नगर पंचायत देवकर में पैसों का लेनदेन, पंचायत के जनप्रतिनिधि द्वारा पद के प्रभाव में स्वीकृत स्थल से परे अन्य जगह पर आवास निर्माण कि जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। 15 दिवस के अंदर कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन कि चेतावानी दी गई है।

ज्ञात हो कि 17 सितम्बर कि परिषद में प्रस्तावित बलि सिन्हा कि दुकान से कृष्णा सिन्हा एवं तिलक बंजारे कि दुकान तक हुए अवैध निर्माण भूमि सहित देवकर क्षेत्रांतर्गत आने वाले समस्त शासकीय भूमि का सीमांकन कर बाड़ाबंदी का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ था। जिसकी कार्यवाही के लिए 7 अक्टूबर को नगर पंचायत ने तहसीलदार को पत्र सौंपा है। पक्षपात पूर्ण कार्रवाई पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष पन्ना लाल जैन ने कहा कि राजनीति से प्रेरित कुछ लोगों को परेशान किया जा रहा है, जिसकी बानगी 15 रोज़ पहले 19 लोगों कि बिजली कनेक्शन विच्छेद कि कार्रवाई का प्रयास किया गया।

## खबर संक्षेप

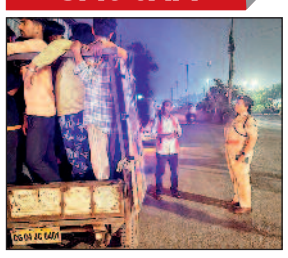

### बच्चों की जान जोखिम में डालने वाले वाहन और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई

**भिलाई।** यातायात पुलिस ने छावनी क्षेत्र स्थित बैकुंठधाम के समीप चेकिंग के दौरान मालवाहक वाहन टाटा एस सीजी 04 जेडसी 0640 को रोका। वाहन चालक एवं मालिक दुर्गेश वर्मा पर उक्त वाहन में लगभग 35 स्कूली बच्चों को बैठाकर परिवहन किए जाने पर कार्रवाई की। इसके बाद पुलिस ने बस के माध्यम से बच्चों को देवबलोदा–चरोदा क्षेत्र में उनके घरों तक सुरक्षित पहुंचाया।
इसके अलावा पुलिस ने सूर्या मॉल जुनवानी, नेहरू नगर क्षेत्र में फुटपाथ एवं सड़क को घेरकर अवैध पार्किंग करने वालों पर कार्रवाई की। खबर है कि पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली की जा रही थी। सूचना पर यातायात पुलिस की टीम त्वरित रूप से मौके पर पहुंची, जहां निरीक्षण के दौरान पाया गया कि फुटपाथ के ऊपर रस्सी लगाकर मार्ग को आंशिक रूप से घेरा गया था। वाहनों की पार्किंग हेतु शुल्क लिया जा रहा था। पुलिस टीम ने अनाउंसमेंट कर वाहन चालकों को सचेत किया। क्रेन की सहायता से अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाया। मौके पर अवैध वसूली में लिप्त पाए गए व्यक्ति को सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि फुटपाथ और सार्वजनिक मार्ग केवल पैदल यात्रियों एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए आरक्षित हैं, उनका किसी भी प्रकार से निजी उपयोग या वाणिज्यिक दोहन अस्वीकार्य है। निरीक्षण के दौरान जहां-जहां सड़क पर गड्ढे, दरारें या क्षतिग्रस्त हिस्से पाए गए, वहां मरम्मत के लिए निगम, एनएचएआई और लोक निर्माण विभाग को सूचना दी गई।

### गांजा तस्कर को 68 दिन की सजा और 15 हजार का लगाया जुर्माना

**दुर्ग।** उतई थाना अंतर्गत पतोरा से देउरझाल मार्ग पर 1.280 किलोग्राम गांजे के साथ पकड़े गए हथखोज पारा निवासी बनवारी पिता लालाराम अग्रवाल (50 वर्ष) को न्यायालय ने 68 दिनों के कारावास से दंडित किया। उस पर 15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया। राशि अदा नहीं करने पर उसे 3 महीने के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतनी होगी। न्यायाशीध पीएस मरकाम के न्यायालय से यह फैसला आया। प्रकरण के मुताबिक घटना 1 अगस्त 2025 को रात करीब 9.55 बजे की है। उतई पुलिस को मुखबिर से खबर मिली कि घटना स्थल पर आरोपी गांजा की तस्करी के फिराक में खड़ा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। अपराध दर्ज कर प्रकरण विचारण के लिए न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से आरोपी पर दोष सिद्ध पाया गया। उसे गिरफ्तारी दिनांक 2 अगस्त 2025 से 10 अक्टूबर 2025 तक यानी 68 दिन की सजा सुनाई। आरोपी पर 15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया। राशि अदा नहीं करने पर उसे तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामले में शासन की तरफ से पैरवी विशेष लोक अभियोजक सूरज शर्मा ने की।

## लक्ष्मी पूजन के दिन होगा शिव-पार्वती का विवाह, मिट्टी लाने से लेकर विसर्जन तक की है अनोखी परंपरा

# गौरा-गौरी की स्थापना के लिए फूल कूटने की परंपरा हुई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

दीपावली पर्व पर छत्तीसगढ़ में मनाई जाने वाले भगवान गौरा-गौरी की पूजा विधिवत की जाती है। इस दरमियान दीपावली के एक सप्ताह पहले ही मंगलवार को मटिया स्थित गौरा चौरा में भगवान गौरी-गौरा की स्थापना के लिए फूल कूटने की परंपरा की शुरुआत की गई। गोड़ जाति की महिलाएं गौरा चौरा में सोमवार की रात को एकत्रित होकर गाजे बाजे व गीत के साथ फूल कूटने की परंपरा से शुरुआत की।

इस दिन के बाद से दिवाली तक प्रतिदिन शाम को पूजा की जाएगी, जिसमें पूरा मुहल्ले और गांवों का सहयोग रहेगा।लक्ष्मी पूजन के दिन भगवान गौरी-गौरा की स्थापना कर पूजा अर्चना कर दूसरे दिन विसर्जन किया जाता है। इसमें सबसे प्रमुख बात यह होती है कि इस पूरे परम्परा में मिट्टी लाने से लेकर विसर्जन तक का काम पुरुष करते हैं और भगवान की सेवाएं महिलाएं करती हैं। इस अवसर पर अमृत ध्रुव, मिलवंतीन निषाद, क्लीनद्रि साहू, बिमला ध्रुव, मनीता ध्रुव, गनेशिया, राधा ध्रुव, ललिता ध्रुव, लीला सेन, आरती यादव, जंत्री निषाद उपस्थित थे।

### फूल कूटने की परंपरा से होती है शुरुआत

अमृत ध्रुव ने बताया कि भगवान गौरी गौरा की स्थापना के लिए एक सप्ताह पहले फूल कूटने की परंपरा से इसकी शुरुआत होती है। इसके लिए भगवान के स्थल से मिट्टी लेने के लिए बाजे गाजे के साथ मंदिर जाते हैं। वहां से मिट्टी और फूल लेकर आते हैं। मिट्टी और फूल को कूटकर भगवान गौरी-गौरा की मूर्ति बनाई जाती है।

**गौरी गौरा को चौरा पर लाकर की जाती है स्थापनाः** विधिवत गौरी गौरा के चौरा पर लाकर उसकी स्थापना की जाती है। भगवान शंकर और माता पार्वती के विवाह के साथ रात भर इसकी सेवा की जाती है। सुबह पारंपरिक रूप से इसे गांव में घुमाया जाता है। जहां पर लोग जगह-जगह भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। इसके अलावा शोटा भी लिया जाता है तत्पश्चात इसे तालाब में ले जाकर विसर्जन किया जाता है।

**हाथों पर सोंटा खाने की मान्यताः** मटिया (बारगांव) में गौरा-गौरी पूजा मनाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। गांव के भारत साहू व मालिक ध्रुव ने बताया कि गोवर्धन पूजा और गौरा-गौरी पूजा के अवसर पर अपने हाथों पर सोटा खाने की मान्यता है। ऐसी मान्यता है कि सोंटा से मार खाने के बाद सभी तरह के दुख और परेशानियां दूर हो जाती है।

### मां लक्ष्मी की पूजा कर रात में परघाते हैं करसा, पूजते हैं गौरा-गौरी

गौरा-गौरी समिति के प्रमुख अमृत ध्रुव बताती है कि दीपावली की रात को लक्ष्मी पूजा के बाद गौरा-गौरी की मूर्ति बनाई जाती है। इसे कुंवारी लड़कियां सिर पर कलश सहित रखकर मोहल्ले-गांव का भ्रमण करती हैं। टोकरीनुमा कलश में दूध में उबाले गए चावल के आटा से बना प्रसाद रखा जाता है। जिसे दूधफरा कहा जाता है। इसमें घी-तेल का उपयोग नहीं किया जाता है। यही पकवान गौरा-गौरी को भोग लगाया जाता है। जिसे दूसरे दिन सभी लोग ग्रहण करते हैं। सबसे खास बात यह है कि लक्ष्मी पूजा के दिन दोपहर में गांव के तलाब से मिट्टी लाया जाता हैं, उक्त मिट्टी से अलग अलग स्थानों में गौरा गौरी की मूर्ति बनाई जाती हैं, जिसके बाद विवाह की तैयारी की जाती हैं। गौरा की और से ग्रामीण गौरी के घर बारात लेकर आते हैं, वही गौरी के तरफ से ग्रामीण बारात का स्वागत करते हैं जिसके बाद शादी की पूरी रस्में इसी रात में पूरी की जाती है और गौरा गौरी को गौरा चौरा में रखा जाता हैं।

# कलेक्टर ने सुनी जनदर्शन में लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने मंगलवार कलेक्टरेट के दृष्टि सभा कक्ष मे जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमे जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आये। इस दौरान जनदर्शन मे आने वाले सभी लोगों की समस्याओं का निराकरण भी किया गया। आज के जन चौपाल में कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गौर से सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर और समक्ष बुलाकर संबंधित आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कुछ आवेदन मौके पर ही निराकरण किए गए। आज जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 46 आवेदन प्राप्त हुए।

- जनदर्शन में विभिन्न शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित 46 आवेदन प्राप्त

तात्कालिक महत्व की समस्याओं का जहां त्वरित निराकरण किया। वहीं गंभीर और जांच के आवेदनों को टीएल पंजी पर दर्ज करके, इनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अफसरों को दी। इस दौरान जनदर्शन में दूरदराज के गांवों से अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे लोगों में से तहसील नवागढ़ के ग्राम नांदल निवासी सुनिता बाई साहू ने प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन आधार लिंक को हटाने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील बेरला के ग्राम सिंघौरी निवासी बुतकुंवर साहू ने स्वीकृत आवास की प्रथम किस्त जारी नही होने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील नवागढ़ के ग्राम बाघुल के समस्त ग्रामवासी ने वर्तमान पंचायत सचिव को हटाने के संबंध में आवेदन दिया, तहसील भिभौंरी के ग्राम भालेसार निवासी त्रिवेणी साहू ने आनलाइन भूमि की स्थिति सुधार करने के संबंध मे आवेदन दिया, इसी प्रकार तहसील थानखम्हरिया के ग्राम कुरदा निवासी रामकुमार सिन्हा ने आर.आई. एवं पटवारी के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही करने के संबंध में आवेदन दिया। इसके अलावा आम नागरिकों ने निराश्रित पेंशन दिलाने, बैटरी चलित ट्रायसायकल हेतु, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा को हटाये जाने, आम रास्ता खुलवाने, वृद्धापेंशन हेतु, दिव्यांगता पेंशन दिलाये जाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए है।

कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिलाया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर, सर्व एसडीएम सहित विभिन्न विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

# कस्तूरबा स्कूल की बालिकाओं ने जीते स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में बेमेतरा जिले से 19 बालिकाओं ने भाग लिया, जिनमें से 17 बालिकाओं ने पदक अर्जित किए। गर्व की बात यह रही कि इनमें से 10 विजेता छात्राएँ कस्तूरबा गांधी विद्यालय की हैं। इनमें 4 स्वर्ण पदक कु दामिनी, कु आंचल, कु राधिका और कु सृष्टि ने प्राप्त किए। 2 रजत पदक कु चांद और कु खुशबू को मिले, जबकि 3 कांस्य पदक कु जागेश्वरी, कु मुकेश्वरी और कु रेशमा ने जीते। विद्यालय की पीटीआई नेहा वर्मा ने बताया कि गतका खेल में इन बालिकाओं की पकड़ बेहद मजबूत है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं ने देश के 12 राज्यों से आए खिलाड़ियों को मात देकर शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की अधीक्षिका भारती घृतलहरे ने बताया कि छात्राओं की सफलता उनका नियमित अनुशासित दिनचर्या योग, कराटे, गतकातथा अन्य खेलों का निरंतर अभ्यास है। उन्होंने कहा कि ये सभी बालिकाएँ पढ़ाई और खेल दोनों में समान रूप से मेहनती हैं। विद्यालय परिवार इस उपलब्धि पर अत्यंत गौरवान्वित है और सभी विजेता छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। उन्होंने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में मुख्यतः ग्रामीण परिवेश से आने वाली बालिकाएँ अध्ययनरत हैं, जो यहाँ रहकर अपने जीवन का सर्वांगीण विकास कर रही हैं। इनमें से दो छात्राओं कु जागेश्वरी एवं कु चांद की खेल मंत्रालय द्वारा डॉक्यूमेंट्री फिल्मभी बनाई गई है।

# बारगांव में हुआ सांसद खेल महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरला

सांसद खेल महोत्सव के तहत ट्रॉफी अनावरण कार्यक्रम का आयोजन के पश्चात अब ग्राम पंचायत बारगांव में भी खेलों का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम मुख्य अतिथि सरपंच प्रतिनिधि सच्चिदानंद मिश्रा की उपस्थिति में हुआ। सांसद विजय बघेल के परम्परागत खेलों को बढ़ावा देने व फिटनेस को जीवन का अंग बना लेने में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसमें गांव के गणमान्य नागरिकगण, हाई स्कूल के खिलाड़ी एवं मीडिया की उपस्थिति में इस आयोजन को विशेष रूप से यादगार बनाया गया। दुर्ग लोकसभा सांसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन कराने में पूरे हिंदुस्तान में नंबर एक पर कायम है।

# कृषि ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्र समझेंगे खेती की वास्तविक परिस्थिति

**बेमेतरा।** रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया बेमेतरा में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव रावे एवं कृषि औद्योगिक अनुलग्नक का ओरिएंटेशन कार्यक्रम बड़े उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अधिष्ठाता डॉ. संदीप भंडारकर के मार्गदर्शन में तथा रावे कार्यक्रम समन्वयक डॉ. असित कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम 13 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ, जो एक सप्ताह तक महाविद्यालय परिसर में चलेगा। रावे कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम बिलाई, जिला बेमेतरा को प्रशिक्षण स्थल के रूप में चयनित किया गया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार, चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं को किसानों के साथ जुड़कर उनके खेतों में प्रायोगिक अनुभव प्राप्त करने हेतु यह विषय शामिल किया गया है। कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता डॉ. संदीप भंडारकर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि रावे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को खेती की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ना, किसानों की समस्याओं को समझना और उनके समाधान में योगदान देना है। साथ ही यह कार्यक्रम छात्रों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की क्षमता विकसित करने, कृषि-आधारित उद्योगों की कार्यप्रणाली से परिचित कराने तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

रावे समन्वयक डॉ. असित कुमार ने विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए कहा कि यह पहल छात्रों के आत्मविश्वास, संचार कौशल एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण को मजबूत करती है। साथ ही यह उनमें उद्यमशीलता की भावना विकसित करती है और किसानों से स्वदेशी तकनीकों को सीखने के लिए प्रेरित करती है। इसके पश्चात डॉ. यूके ध्रुव ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे किसानों से कृषि के गुर सीखें और व्यावहारिक अनुभवों से अपने ज्ञान को समृद्ध बनाएं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष के सभी छात्र-छात्राएं एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

# रैली निकालकर पोस्टर नारों और गीतों से नशा मुक्ति का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

रविवार को गायत्री परिवार एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में नशा मुक्ति जनजागरूकता रैली का भव्य आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ दुर्गा मंच से हुआ, जो बीचपारा, साहूपारा, बाजार चौक होते हुए पुनः दुर्गा मंच पर नशा मुक्ति के सामूहिक संकल्प के साथ संपन्न हुई।

- ग्रामवासियों ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प

गांव की गलियों में नशा छोड़ो, जीवन संवारो और स्वस्थ जीवन – यही अभियान जैसे नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। पोस्टर, बैनर और गीतों के माध्यम से ग्रामीणों ने समाज को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। रैली में महिला, पुरुष, युवा और बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच मनीष साहू ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि – नशा व्यक्ति के जीवन में अंधकार लाता है और परिवार को टूटने की कगार पर पहुंचा देता है। यदि हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं, तो नशे को 'ना' कहना ही पहला कदम है। वहीं कलार समाज जिलाध्यक्ष वीरेंद्र जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि – नशा समाज की जड़ों को कमजोर कर रहा है। इसे समाप्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं उदाहरण बनना होगा। जब परिवार और समाज एकजुट होंगे, तभी नशा मुक्त भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम का संचालन मिलाप राम साहू ने प्रभावशाली ढंग से किया। उन्होंने उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार की रैलियाँ समाज में जागरूकता का संचार करती हैं और नई सोच को जन्म देती हैं।

इस अवसर पर अवधेश सिंह ठाकुर, गौकरण साहू, ओमप्रकाश साहू, बिंदेश्वरी साहू, द्रौपदी साहू, मीना बाई ठाकुर, बाबूराम राजपूत, मिलन सिंह, शोभा सिंह, ईश्वर ताम्रकार, ओम रजक, सतीश साहू, विष्णु साहू, सुरेन्द्र साहू, रोहित साहू, महेंद्र वर्मा, हेमकुमार साहू, चिंताराम साहू, बिशहत निषाद, गेंदू निषाद, मोहिनी साहू, मंतराम साहू, संतोष साहू, शंकर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार के सदस्यों ने बताया कि इस रैली का उद्देश्य ग्राम स्तर पर जनजागरूकता फैलाकर नशा मुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त समाज की स्थापना करना है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी ने नशा त्यागने और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

## परंपरा और संस्कृति का दिख रहा अद्भुत संगम, परंपरागत ड्रेस में थिरक रहीं

# बुजुर्ग, युवतियों और बच्चियों की टोली कर रही सुआ नृत्य, दे रही आशीष

हरिभूमि न्यूज. बेमेतरा/बेरला/बारगांव

दीपावली पर्व नजदीक आते ही छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति एक बार फिर जीवंत हो उठी है। बारगांव की गलियों व घरों में महिलाओं और स्कूली बच्चों की टोलियां सुआ नृत्य करते हुए देखी जा रही हैं।

पारंपरिक गीतों की मधुर धुनों पर झूमती इन टोलियों का स्वागत लोग हर्ष और उल्लास के साथ कर रहे हैं तथा उपहार स्वरूप भेंट भी दे रहे हैं। दीप पर्व खुशियों का प्रतीक माना जाता है, जिसकी तैयारी पखवाड़ेभर पहले से ही शुरू हो जाती है। इन दिनों मटिया- बारगांव के विभिन्न गलियों व घरों में सुआ नृत्य की धुनें गूंज रही हैं। नृत्य प्रस्तुत कर रही अमृत ध्रुव ने बताया कि हर वर्ष दीपावली से पहले वे पारंपरिक रूप से सुआ नृत्य के लिए निकलती हैं, जिससे इस लोक परंपरा को जीवंत रखा जा सके। 60 वर्षीय मिलवंतीन निषाद का कहना है कि अब पहले की तुलना में सुआ नाचने वाली टोलियों की संख्या कम हो गई है, लेकिन बच्चों और युवतियों में इस लोकनृत्य को लेकर उत्साह बरकरार है। बच्चे अलग-अलग छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीतों के साथ लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। साल के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के अवसर पर उन्हें उम्मीद रहती है कि सुआ नृत्य के बदले अधिक भेंट और आशीर्वाद प्राप्त होगा। गांव की दुकानों के अलावा घरों -घर इन दिनों सुआ नृत्य करने वाली महिलाओं की टोली पहुंच रही है। स्कूली बच्चे भी सुआ नाचने पहुंच रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों की टोली सुआ नाचने में व्यस्त है।

**सुआ हमारी सांस्कृतिक और पारंपरिक नृत्य : अमृतः** समिति के प्रमुख अमृत ध्रुव का कहना है कि सुआ हमारी सांस्कृतिक और पारंपरिक नृत्य है। ज्यादातर इसे गांव के लोग करते हैं। गांव में ही आयोजन किया जाता हैं। अभी के लोग ज्यादा जानते नहीं हैं, इस परंपरा को हम आगे बढ़ा रहे हैं ताकि आगे की पीढ़ी भी इसे अपनाएं। गीतों में प्राकृतिक सौंदर्य, पशु-पक्षियों की विशेषता तथा आदिवासी जीवन की सरलता और संघर्ष का भी उल्लेख होता है.

### परंपरा बचाने पढ़ने वाली पीढ़ियों की मुहिम

वहीं आरती यादव ने बताया कि हमारे छत्तीसगढ़ के लोक सांस्कृतिक सुआ नृत्य हैं। यह हमारी परंपरा है। इसे आगे बढ़ाने का एक छोटा सा प्रयास हैं। सुआ नृत्य सुआ के लिए ही होता हैं। सुआ जिसे हिंदी में तोता कहते है. इससे होने वाले इनकम से हम गौरा-गौरी जिसमें हम शिव और पार्वती की शादी करते हैं। अपना कमाया हुए धन को इसी में लगाते हैं। इसके अलावा गांव और बाहर से आए लोगों को भोजन कराने में खर्च करते हैं।

### महिलाएं और बच्चियां करती हैं सुआ नृत्य

राजो ध्रुव ने बताया कि महिलाएं अपने सिर पर घुंघरू बांधती हैं। पारंपरिक वेशभूषा में सजती हैं, जो उनकी संस्कृति की झलक को प्रदर्शित करता है। गीतों के माध्यम से महिलाएं अपने जीवन के पहलुओं और पारिवारिक जीवन की भावनाओं को व्यक्त करती हैं। सुआ नृत्य की प्रस्तुति के दौरान गाए जाने वाले गीत ना केवल मनोरंजन के लिए होते हैं, बल्कि उनमें जीवन की कठिनाइयों, प्रेम, विरह और धार्मिक मान्यताओं की भावनाओं का भी वर्णन किया जाता है।

समस्या: जिलेभर के संकुल समन्वयकों की खेतों में लगाई गई ड्यूटी

# संकुल समन्वयक स्कूल छोड़ खेतों में तैयार कर रहे हैं गिरदावरी रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में इन दिनों एक अनोखा दृश्य देखने को मिल रहा है। जहां शिक्षकों के हाथों में अब किताबों की जगह गिरदावरी के संबंधी दस्तावेज दिखाई दे रहे हैं और वे स्कूलों की जगह खेतों की मेढ़ में नजर आ रहे हैं।

बताया जाता है कि जिले के चारों विकासखण्ड के के दर्जनो संकुल समन्वयकों इस बार गिरदावरी कार्य के लिए मैदान में उतारा गया है। शासन द्वारा 10 से 16 अक्टूबर तक गिरदावरी कार्य के लिए इन संकुल समन्वयों की ड्यूटी लगाई गई है। इसी अवधि में सामाजिक अंकेक्षण कार्य भी जारी है, जिससे शिक्षकों पर दोहरी जिम्मेदारी का बोझ बढ़ गया है। यहां बताना लाजिमी होगा कि गिरदावरी का कार्य मूलतः राजस्व विभाग का होता है, जिसमें पटवारी खेतों का निरीक्षण कर यह दर्ज करते हैं कि किस किसान ने कौन-सी फसल बोई है और फसल की स्थिति क्या है। मगर इस बार यह काम शिक्षकों के हवाले कर दिया गया है।

संकुल समन्वयक, जो सामान्यतः स्कूल शिक्षा और उच्च कार्यालय के बीच की कड़ी माने जाते हैं, अब खेतों में कीचड़ के बीच फसलों की स्थिति का आंकलन कर रहे हैं। विरोधाभास यह है कि राज्य शासन द्वारा 2025 को शिक्षा गुणवत्ता वर्ष घोषित किया गया है, जिसका उद्देश्य स्कूलों में शिक्षण स्तर को सुदृढ़ करना है। शासन के ही आदेशानुसार हर संकुल समन्वयक को सप्ताह में कम से कम चार दिन स्कूलों में शिक्षण कार्य करना अनिवार्य है, ताकि वे शैक्षणिक गुणवत्ता पर निगरानी रख सकें लेकिन अब वही शिक्षक पटवारी की भूमिका निभा रहे हैं, जिससे न केवल उनका मूल कार्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों को खेतों में कीचड़ और धूप के बीच गिरदावरी करते देख लोग चकित हैं। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बजाय शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में झोंकना शासन की नीतिगत विसंगति को उजागर करता है। जरूरत है कि शिक्षकों को उनके मूल कार्य शिक्षण में वापस लौटाया जाए ताकि गुणवत्ता वर्ष का उद्देश्य सार्थक हो सके। बताया जाता है कि यह स्थिति सिर्फ पंडरिया विकास खण्ड भर की नहीं है बल्कि जिले के सभी विकासखण्डों के संकुल समन्वयकों की ड्यूटी इस समय खेतों में गिरदावरी रिपोर्ट तैयार करने के लिए लगाई गई है।

**स्कूल छोड़ शिक्षक खेतों में, लोगों के बीच चर्चा**

ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राजस्व विभाग में अमले की कमी है या फिर विभाग अपने पटवारियों पर भरोसा नहीं जता पा रहा है। फिर सवाल यह भी उठ रहा है कि प्रायः शासन के हर तरह के फैसलों का विरोध व आपत्ति करने वाले शिक्षकों द्वारा शासन के इस फैसले का कोई विरोध नही किया जा रहा है और वे बड़ी सहजता से विभाग द्वारा सौंपे गए गिरदावरी कार्य कार्य को पूर्ण करने में जुटे हुए हैं। अब इसकी मूल वजह क्या है यह तो शिक्षक ही जाने लेकिन शिक्षकों को गिरदावरी कार्य करते हुए देख ग्रामीणों में चर्चा जरूर हो रही है।

**शासन के आदेश के तहत ड्यूटी**

गिरदावरी कार्य के लिए संकुल समन्वयकों की ड्यूटी लगाए जाने से स्कूलों का शैक्षणिक कार्य तो प्रभावित हो रहा है संकुल समन्वयकों की ड्यूटी शासन के आदेश के तहत लगाई गई है।

**एफआर वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी कबीरधाम**

# पटाखा दुकानों में आग से सुरक्षा के लिए जारी की गई एडवायजरी

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपावली पर्व के मद्देनजर जिले में संचालित समस्त स्थायी एवं अस्थायी पटाखा दुकानों में आग से बचाव एवं जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर सेना अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ तथा एसडीआरएफ मुख्यालय रायपुर द्वारा विस्तृत एडवायजरी जारी की गई है। एडवायजरी में अग्नि सुरक्षा से संबंधित सभी मानकों के पालन पर विशेष जोर दिया गया है। जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी, नगर सेना ने बताया कि सभी पटाखा दुकानें अज्वलनशील सामग्री, जैसे टिन शेड इत्यादि से निर्मित होनी चाहिए। किसी भी दुकान का निर्माण कपड़ा, बांस, रस्सी या टेंट जैसी ज्वलनशील वस्तुओं से नहीं किया जाना चाहिए। दुकानों के बीच न्यूनतम तीन मीटर की दूरी बनाए रखना अनिवार्य है तथा एक दुकान के ठीक सामने दूसरी दुकान नहीं लगाई जाए। उन्होंने बताया कि प्रकाश व्यवस्था के लिए तेल का लैंप, गैस लैम्प या खुली बिजली बत्ती का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी पटाखा दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। विद्युत तारों में खुले ज्वाइंट नहीं होने चाहिए तथा प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर का उपयोग आवश्यक है, ताकि शॉर्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वतः बंद हो सके। जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी, नगर सेना ने बताया कि दुकानें ट्रांसफार्मर के समीप या हाई टेंशन पावर लाइन के नीचे नहीं लगाई जाएँगी। प्रत्येक दुकान में कम से कम 5 किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र होना अनिवार्य है, जिसकी मारक क्षमता छह फीट होती है। साथ ही दुकानों के सामने 200 लीटर क्षमता के पानी से भरे ड्रम एवं बाल्टियों की व्यवस्था की जानी चाहिए। दुकानों के सामने किसी भी प्रकार के वाहन, विशेषकर बाइक या कार की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस के आपातकालीन फोन नंबर दुकान परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएँ तथा अग्निशमन वाहनों के आवागमन हेतु पर्याप्त स्थान सुनिश्चित किया जाए। जिला प्रशासन ने समस्त पटाखा विक्रेताओं से अपील की है कि वे जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें, ताकि दीपावली पर्व सभी के लिए सुरक्षित और आनंदमय बन सके। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियामावली 2021 के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

## खबर संक्षेप

### टीचर्स एसोसिएशन का कलेक्टर को ज्ञापन आज

**कवर्धा।** छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि 15 अक्टूबर को अपरान्ह 4.15 बजे कलेक्टर के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, शिक्षा सचिव व लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक के नाम शिक्षकों के चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। चार सूत्रीय मांगों में टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने हेतु सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप पुनर्विचार याचिका दायर करने, पंचायत की सेवा अवधि की गणना कर पुरानी पेंशन देने, 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा पर पूर्ण पेंशन देने, हाई कोर्ट के निर्णय अनुसार क्रमोन्नति व समयमान वेतनमान का जनरल आर्डर जारी करना शामिल है। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी, आसकरण धुर्वे, उग्रसेन चन्द्रवंशी, हेमलता शर्मा, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा आदि ने जिले के समस्त शिक्षकों से कलेक्टर कार्यालय कवर्धा में समय पर उपस्थिति का आव्हान है।

### स्कूलों में दीपावली अवकाश 20 से 25 तक

**कवर्धा।** कवर्धा स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों में अवकाश की घोषणा कर दी है। दीपावली अवकाश 20 से 25 अक्टूबर तक रहेगा। शीतकालीन अवकाश 22 दिसंबर से 27 दिसंबर तक रहेगा। इसमें भी विद्यार्थियों को 6 दिन का अवकाश मिलेगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश एक मई से 15 जून 2026 तक रहेगा, जो कुल 46 दिन का होगा। इस प्रकार विद्यार्थियों व शिक्षकों को पूरे शैक्षणिक सत्र में कुल 64 दिन का अवकाश मिलेगा।

## एड्स जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित...

**कवर्धा।** शासकीय आईटीआई कवर्धा में 13 अक्टूबर 2025 को जिला एड्स नियंत्रण समिति के द्वारा एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों में एचआईवी, एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके रोकथाम संबंधी जानकारी प्रदान करना था। स्वास्थ्य विभाग के आईसीटीसी के कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को एचआईवी, एड्स के संक्रमण के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय और इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इससे समाज में सकारात्मक सोच और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का माहौल बनेगा।

# ब्रेक फेल होने से आलू से भरा ट्रक पलटा, चालक ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

जिले से होकर गुजरने वाले पंडरिया-बजाग मार्ग में मंगलवार की दोपहर फिर एक सड़क हादसा सामने आया है। जिसमें आलू से भरा एक ट्रक दुर्घटना का शिकार हो गया।

हालांकि इस सड़क दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर करीब 3.30 बजे ट्रक क्रमांक एमपी 7 जेडएम-3892 का अज्ञात चालक जबलपुर से आलू भरकर बजाग-पंडरिया मार्ग से होते हुए आ रहा था। बताया जाता है कि इसी दौरान मार्ग में ग्राम आगरपानी के पास अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो गया और तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क में पलट गया। हालांकि ट्रक चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रक के पलटने से पहले ही कूदकर अपने आपको सुरक्षित कर लिया। अभी तक इस सड़क दुर्घटना के संबंध में पुलिसिया कार्यवाही की जानकारी नहीं मिल पाई है।

# देव पंचांग के अनुसार मनाया जाएगा पांच दिवसीय भव्य दीपोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭पाण्डातराई

स्थानीय विद्वत परिषद की हालिया बैठक में धर्म, संस्कृति और जीवन मूल्यों की रक्षा के उद्देश्य से इस वर्ष दीप पर्व के पांच दिवसीय आयोजन को पारंपरिक रूप से संपन्न करने का निर्णय लिया गया है। परिषद ने स्पष्ट किया कि पर्व तिथियों का निर्धारण देव पंचांग की उदया तिथि के अनुसार किया गया है, जिससे सभी उत्सव शास्त्रोक्त समय पर संपन्न हों। देव पंचाग के अनुसार 18 अक्टूबर शनिवार को धनतेरस में मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि का पूजन, दीप सजावट और शुभ क्रय किया जाएगा। 20 अक्टूबर सोमवार नरक चौदस में प्रातः अभ्यंग स्नान, पाप नाश और स्वास्थ्य की मंगलकामना की जाएगी। 21 अक्टूबर मंगलवार को महान दीपावली शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन, दीपोत्सव और सांस्कृतिक समारोह का आयोजन होगा। 22 अक्टूबर बुधवार गोवर्धन पूजा के तहत अन्नकूट महोत्सव, गौ पूजन और भक्तिमय कार्यक्रम तथा 23 अक्टूबर गुरुवार भाई दूज में भाई-बहन के स्नेह का पर्व मनाया जाएगा। परिषद ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस पांच दिवसीय देव परंपरा के उत्सव में सक्रिय सहभागिता करें, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए दीप पर्व को आनंदपूर्वक मनाएं। नगर में प्रतिदिन भजन संध्या, दीप श्रृंगार प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित होंगी।

### मनरेगा अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में पर्याप्त श्रममुखी कार्य प्रारंभ रहेः सीईओ

**कवर्धा।** जिले की सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत अधिक से अधिक मजदूरीमुखी कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी द्वारा दिए गए हैं। सीईओ श्री त्रिपाठी ने मनरेगा योजना की समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में अभी तक मजदूरीमुखी कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं, वहां 15 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से नए कार्य स्वीकृत कराकर प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में मजदूरीमुखी कार्यों के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। समीक्षा के दौरान कुछ पंचायतों में लक्ष्य के विरुद्ध मानव दिवस सृजन कम पाए जाने पर संबंधित तकनीकी सहायकों को फटकार लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

### जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ाई गई

**कवर्धा।** पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय ने 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11 वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। जिले के इच्छुक और पात्र विद्यार्थी अब आगामी 21 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 07 अक्टूबर थी जिसे बढ़ाकर 21 अक्टूबर कर दिया गया है। प्रवेश के लिए परीक्षा की तिथि भी घोषित कर दी गयी है। प्रवेश परीक्षा 7 फरवरी 2026 को आयोजित की जायेगी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य एनके लांजेवार ने बताया कि कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए एवं शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दौरान कबीरधाम जिले के किसी सरकारी और गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 8वीं में अध्ययनरत हो।

# भाजपा किसान मोर्चा की बैठक आयोजित

**कवर्धा।** किसानों की समृद्धि और संगठन की मजबूती को केंद्र में रखकर रविवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की टिफिन बैठक जिला मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर के निर्देश, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर और भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष भुनेश्वर चंद्राकर ने की। बैठक की शुरुआत सेवा पखवाड़ा के दौरान किए गए कार्यों की समीक्षा से हुई। जिलाध्यक्ष भुनेश्वर चंद्राकर ने कहा कि संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ताओं की निष्ठा और निरंतरता में है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम जिला आगमन के सफल आयोजन के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि कवर्धा ने एक बार फिर संगठनात्मक एकजुटता का परिचय दिया है। बैठक में धान खरीदी की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

HEALTH TOWN
आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
Dr. Hrituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi Parikshak By
Sri Sri Tattva
Bengaluru
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज
पता: चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

विशेष बच्चों के भविष्य को रोशन करने का अवसर –
पियाली फाउंडेशन कॉलेज में बी.एड. एवं डी.एड. प्रवेश खुले
विशेष शिक्षक (Special Educator) बनने के लिए, आपको विशेष शिक्षा में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसके लिए, आप विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम जैसे कि डिप्लोमा, डिग्री पाठ्यक्रम कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में, आपको विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान सिखाया जाता है

विशेष शिक्षक बनने के लिए कुछ सामान्य पाठ्यक्रम:
डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन (D.Ed. Special Education):यह पाठ्यक्रम 12वीं कक्षा के बाद किया जा सकता है और इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए बुनियादी कौशल सिखाए जाते हैं। बी.एड. इन स्पेशल एजुकेशन (B.Ed. Special Education):यह पाठ्यक्रम स्नातक स्तर पर किया जा सकता है और इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए उन्नत कौशल और ज्ञान सिखाया जाता है। Piyali Foundation college of Special Education Raipur जो विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं ।विशेष शिक्षक के रूप में करियर:विशेष शिक्षा शिक्षक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ काम करते हैं, जैसे कि सीखने की अक्षमता, ऑटिज्म, या बौद्धिक विकलांगता वाले बच्चे। विशेष शिक्षा शिक्षक विभिन्न प्रकार के सेटिंग्स में काम कर सकते हैं, जैसे कि: सरकारी और निजी स्कूल, पुनर्वास केंद्र, विशेष विद्यालय, गैर सरकारी संगठन (एनजीओ). विशेष शिक्षा शिक्षक बनने के लिए, आपको धैर्य, सहानुभूति, और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों की आवश्यकता होती है।

पियाली फाउण्डेशन कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन द्वारा स्पेशल एजुकेशन में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम प्रवेश प्रारंभ किया जा रहा है और 2025- 26 सत्र के लिए आवेदन संस्था द्वारा मंगवाया जा रहा है । इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यार्थी आवेदन पत्र संस्था में सीधे जमा करके प्रवेशा पा सकते है। संस्थान की प्रमुख मीता मुखर्जी के अनुसार यह पाठ्यक्रम सभी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए है। उपरोक्त पाठ्यक्रम भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा पं रविशंकरशुक्ल विश्वविघालय से संबद्धता प्राप्त है। बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अर्हता स्नातक है। स्नातक में 50 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए छत्तीसगढ़ प्री बीएड परीक्षा की आवश्यकता नहीं है। इस पाठ्यक्रम में सीधा प्रवेश दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी अपना सुनहरा भविष्य बना सकते है । इस पाठ्यक्रम को करने के बाद अनेक क्षेत्रो में अपना कैरियर बना सकते हैं। जैसे विशेष शिक्षक के रूप में सरकारी स्कुलो प्राइवेट स्कुलो अस्पतालों समग्र शिक्षा अभियान तथा केंद्रीय स्कुलों में नियुक्त किया जा रहा है। आने वाले समय में विशेष शिक्षा के क्षेत्र में अपार नौकरियो की संभावनाए है।
मीता मुखर्जी - अध्यक्ष, राजकिशोर चौधरी - डायरेक्टर, पियाली फाउंडेशन, जागरुक पैरेन्ट्स एसोसिएशन रायपुर (छ.ग.)
विशेष शिक्षक बनने का सुनहरा अवसर
बी.एड., डी. एड. (विशेष शिक्षा)
सीधा प्रवेश प्रारंभ - 2025
DIRECT ADMISSION Last Date - 17.10.2025
84353 86927, 98271 28346
Old Dhanvantari Hospital, New Shanti Nagar, Gorakha Colony, Shankar Nagar, Raipur

## खबर संक्षेप

### शांति भंग करने के दो आरोपी पकड़ाए

**राजनांदगांव।** आमजन एवं गवाहों से लड़ाई-झगड़ा करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार आगामी दीपावली त्योहार को मद्देनजर रखते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे सतत अभियान के तहत चौकी चिखली में प्राप्त शिकायत आवेदन पत्रों एवं पूर्व में कायम अपराध के आधार पर 14 अक्टूबर को आमजन एवं गवाहों के साथ लड़ाई-झगड़ा कर शांति भंग करने एवं संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण संभावना पर नरेन्द्र यादव 20 साल गौरीनगर, नंदू उर्फ रसीद 40 साल अचानक नगर गौरीनगर को गिरफ्तार कर पृथक-पृथक से धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्रवाई कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया।

### छात्रों को दी रोजगारोन्मुखी कोर्स की जानकारी

**डोंगरगढ़।** नेहरू महाविद्यालय में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ने हेल्थ केयर प्रशिक्षण संस्था की जानकारी देने कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य वक्ता हेल्थ केयर प्रशिक्षण केंद्र रायपुर के प्रदीप सिन्हा थे।

श्री सिन्हा ने बताया कि हेल्थ केयर प्रशिक्षण केंद्र रायपुर में हेल्थ केयर जनरल ड्यूटी का 45 दिन का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा आटोमोबाइल, होटल मैनेजमेंट, ब्यूटी पार्लर, प्लंबिंग, वेल्डिंग तथा डीडब्ल्यूडीसी जैसे विविध रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण निः शुल्क दिया जाता है। कार्यशाला में लगभग 35 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। संचालन एवं आभार प्रदर्शन अनिमा मिंज ने किया।

### पेंशनर्स आज निकालेंगे मशाल जुलूस

**राजनांदगांव।** पेंशनर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ प्रदेश पंजीयन क्रमांक 1844 द्वारा कल 15 अक्टूबर को 11 बजे अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। मशाल जुलूस पेंशनर्स भवन ठाकुर प्यारेलाल स्कूल परिसर से प्रस्थान कर जिला कलेक्टर कार्यालय राजनांदगांव में पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेगा। विदित हो कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पेंशनरों के हक और अधिकार की उपेक्षा की जा रही है। प्रदेश के अधिकारी-अधिकारियों को केंद्र के समान दैनिक महंगाई भत्ता प्रदान कर दिया गया है, किंतु पेंशनरों को अभी तक इसका लाभ नहीं दिया गया। इससे प्रदेश के लाखों पेंशनरों में भारी असंतोष व्याप्त है। पेंशनर्स को भी दीपावली के पूर्व शासन को शीघ्र दो प्रतिशत डीए की घोषणा करने कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा।

### डॉ. डाकेश्वर को मिला पेटेंट

**राजनांदगांव।** शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के रसायन शास्त्र विभाग प्राध्यापक एवं विश्व के शीर्ष 2 वैज्ञानिकों की सूची में शामिल डॉ. डाकेश्वर वर्मा को मधुमेह डायबिटीज की रोकथाम के लिए औषधीय पौधों से निर्मित हर्बल उत्पाद के लिए भारत सरकार से पेटेंट प्राप्त हुआ है। यह उनका अब तक का चौथा पेटेंट था। यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय के लिए, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का विषय है। डॉ. वर्मा एवं समूह द्वारा विकसित यह हर्बल उत्पाद पूर्णतः प्राकृतिक औषधीय पौधों के अर्क से तैयार किया गया है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध हुआ है। इस शोध में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पारंपरिक औषधीय पौधों का वैज्ञानिक उपयोग किया गया है। जिससे ग्रामीण और जनजातीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान को भी नया वैज्ञानिक आयाम मिला है। महाविद्यालय परिवार ने डॉ. वर्मा को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

### आयोजन : सरपंच ने किया शुभारंभ, जनप्रतिनिधि भी हुए शामिल

# सांसद खेल महोत्सव में छात्रों ने दिखाया हुनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरला

विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल देवरबीजा में सांसद खेल महोत्सव 2025 का दो दिवसीय का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की भव्य शुभारंभ सर्वप्रथम ग्राम पंचायत देवरबीजा सरपंच हेमलाल पांडु देवांगन और प्राचार्य हीरालाल साहू व शिक्षक ने सरस्वती माता के छायाचित्र के पूजा अर्चना कर किया गया। उसके बाद खिलाड़ियों के खेल शुरू करने से पहले सिक्के उछलकर प्रारंभ किया गया।

ग्रामीण स्तर की जोन स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही उत्साहपूर्ण और भव्य माहौल में सम्पन्न हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत बेमेतरा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि बलराम पटेल, ग्राम पंचायत देवरबीजा सरपंच हेमलाल पांडु देवांगन, प्राचार्य हीरालाल साहू सहित शिक्षकगण व अभिभावक के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इस आयोजन पर अतिथि खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों में अपार खेल प्रतिभा है, जिन्हें सही मंच और अवसर मिले तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य इन्हीं प्रतिभाओं को पहचान दिलाना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का है। सरपंच देवांगन ने कहा कि गांवों में खेल संस्कृति को विकसित करने और युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का संचार करने में सांसद खेल महोत्सव एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि स्कूल के विद्यार्थियों व नवयुवकों के सर्वांगीण विकास का प्रतीक है। इस खेलों की हुई स्पर्धाप्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, दौड़, वॉलीबॉल, लंबी कूद आदि खेलों का आयोजन किया गया। विभिन्न ग्रामों से आए खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और अनुशासन का परिचय दिया। दर्शक दीर्घा में ग्रामीणों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं की भारी भीड़ रही, जिससे आयोजन स्थल पर उत्साह और ऊर्जा का माहौल छाया रहा। प्रतिभाओं को मंच देना ही उद्देश्य सांसद खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के साथ युवा पीढ़ी को अवसर प्रदान करना, उनकी खेल प्रतिभा को निखारना और उन्हें राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। इस अवसर पर बलराम पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष बेरला, हेमलाल देवांगन सरपंच, चिंताराम निषाद सचिव, सीएससी टीचर भगवान सिंह राजपूत, प्राचार्य हीरालाल साहू, वीरेंद्र देवांगन, मुकेश देवांगन, महेश निषाद, दीनानाथ साहू, बी राधम्मा, मनीषा ठाकुर, वीणा साहू, उत्तम साहू, नीतू साहू, कार्यकर्ता एवं पंच गण राजकुमार राजपूत, कमाता साहू, सुखेन्द्र यादव, विजय देवांगन, कुमारी विश्वकर्मा, बसन्तु साहू, विनोद देवांगन एवं समस्त शिक्षक स्टॉप उपस्थित थे।

### रन फॉर डीएवी मैंराथन का आयोजन

**बेमेतरा।** जिले का एक मात्र डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में रन फॉर डीएवी 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डीएवी मैनेजमेंट समिति, नई दिल्ली के निर्देशानुसार आयोजित हुए। जिसमें देश के सभी डी ए वी संस्थानों में एक- दिन, एक- साथ रन फॉर डी ए वी का भव्य आयोजन रखा गया, जिसमें 2 किलोमीटर, 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 21 किलोमीटर तक का आयोजन था। इस कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा दूसरी से कक्षा 12 तक के छात्र छात्राओं, शि क्ष क – शि क्षि का ओं , जनप्रतिनिधियों, पालकगण आदि सभी ने 2 किलोमीटर दौड़ में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूजा देवव्रत मिश्रा सरपंच ग्राम पंचायत जांता ने हरि झंडी दिखा कर शुभारंभ किए।संस्था के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि रन फॉर डीएवी का आयोजन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में व उनके सिद्धांतों को बढ़ावा देना, शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रोत्साहित करना, एवं एकता और सहयोग की भावना जगाने के साथ साथ देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए यह भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम से गांधीजी के जीवन संदेश-सत्य,अहिंसा और सेवा को जन-जन तक पहुँचाने का एक अथक प्रयास है।

इस कार्यक्रम के बाद सभी को गांधी जी का संदेश "स्वच्छता, स्वास्थ्य और सेवा ही सच्चे राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं पर यह संकल्प दिलाया गया कि हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और शांति का संदेश भी फैलाएँगे मैं अपने आप से वादा करता हूँ कि हम प्रतिदिन शारीरिक गतिविधि और खेलकूद, दौड़ के लिए समय निकालेंगे तथा अपने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों व समाज को शारीरिक रूप से फिट रहने और भारत को एक फिट राष्ट्र बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

## सेजेस में खेल महोत्सव का हुआ आयोजन

**मारो।** पीएम सेजेस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा नगरीय सांसद खेल महोत्सव का प्रथम चरण की प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष धनलाल देशलहरे,सीएमओ ,पार्षदबसंत गुप्ता, एसएमडीसी अध्यक्ष नरेंद्र साहू,की मौजूदगी में किया गया। इस दौरान कबड्डी, दौड़ (100 मी./ 400मी ), खो-खो, फुगड़ी, कुर्सी दौड़ आदि का प्रदर्शन किया गया। खेल शिक्षकों के मार्गदर्शन में कबड्डी,100 से 400 मी दौड़ ,खो-खो, फुगड़ी, कुर्सी दौड़ आदि का प्रदर्शन विद्यालयों के छात्र-छात्राएं ने किया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य सरिता गुप्ता, व्याख्याता छेदु सिंह ठाकुर, संकुल समन्वयक रज्जु पेंडरिया सहित मारो संकुल के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक- शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

### नवागांव खुडमुडी में सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुरू

**बेमेतरा।** ग्राम पंचायत नवागांव खुडमुडी में सांसद खेल महोत्सव आरंभ हुआ।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच चंद्रिका पात्रे द्वारा सरस्वती पूजा कर खेल आरंभ किया गया। प्रतियोगिता में खो खो, कबड्डी, दौड़ जैसे खेलों का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में ग्राम पंचायत के सचिव,प्रधान पाठक सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

### खपरी में हुआ सांसद खेल महोत्सव

**साजा।** पंचायत खपरी में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया, जो सरपंच गिरधारी निर्मल करके कमरों से संपन्न हुआ। पूर्व माध्यमिक शाला और प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक व सहायक शिक्षक शिक्षिका अपने कर्तव्य पर यथावत उपस्थित रहे। इस अवसर पर पंचायत के जनप्रतिनिधि चंदेल निर्मलकर, नींबू लाल निर्मलकर, दलहरण निर्मलकर, पवन निर्मलकर, मिथुन पटेल, पुरानी निर्मलकर, विद्या निर्मलकर, ग्राम मितानिन लता निर्मलकर, आंगनवाड़ी सहायिका पुष्पा निर्मलकर, साथ ही थान खमरिया मंडल के मंडल अध्यक्ष केशव पटेल, ग्राम सचिव पंचराम निषाद, रोजगार सहायक लेखराम वर्मा एवं गांव के अन्य गण मान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस महोत्सव में शासन द्वारा चलाए गए सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम में गांव की माताएं, बहानें, पुरुषों एवं मिडिल स्कूल एवं प्राथमिक शाला के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सांसद महोत्सव का खेल प्राथमिक शाला के प्रधानपाठक धनेश रजक, थुकेलराम तारम, लक्ष्मी रावत एवं पूर्व माध्यमिक शाला के प्रभारी प्रधान पाठक तारकेश्वर निर्मलकर, चंद्रशेखर कश्यप मुख्य रूप से अपना सहयोग प्रदान किया। साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा इस कार्यक्रम को संपन्न कराने में उनके प्रमुख भूमिका रही।

## सांसद युवा खेल महोत्सव युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यमः सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

शहर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में सांसद युवा खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया अभियान के तहत किया गया जिसका उद्देश्य युवाओं को खेल के माध्यम से सशक्त बनाना है।

इस कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करना तथा खेलों के माध्यम से सामाजिक एकता और अनुशासन को प्रोत्साहित करना है. इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, हर्ष तिवारी, गौरव साहू, पंचू साहू, विकास तंबोली, नीतू कोठारी रोशनदत्ता प्रनीश रजक एवं खेल अधिकारी व कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.। इस महोत्सव में कबड्डी, एथलेटिक्स, वेट लिफ्टिंग, खो-खो, जैसे पारंपरिक और आधुनिक खेलों की प्रमुख श्रेणियां शामिल थी, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सांसद खेल महोत्सव में जिले से आए हुए 45 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. सहायक जिला खेल अधिकारी उपेंद्र सेंगर ने बताया कि परिणाम को विभागीय पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। उसके बाद या बच्चे क्लस्टर में खेलेंगे।

### खेल ही युवाओं को सही दिशा दे सकता है

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष सिन्हा ने अपने सम्बोधन मे कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवा पीढ़ी में अनुशासन एकजुटता और राष्ट्रभक्ति की भावना का विकास करते हैं. उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट के तहत स्वस्थ जीवन शैली अपनाने पर भी जोड़ दिया और कहा कि सांसद युवा खेल महोत्सव युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि खेल ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो युवाओं को सही दिशा दे सकता है।

## दीपावली पर घर-आंगन सजाने में जुटे ग्रामीण कुंभकार बना रहे मिट्टी के दीये से रोशन होंगे घर

हरिभूमि न्यूज. बेमेतरा/नारायणपुर

ग्राम पंचायत नारायणपुर सहित क्षेत्र के अंचलों में इस समय दीपावली की तैयारियां जोरों पर है। जहां गांव -

- दीपावली पर्व को लेकर शुरू हुई ग्रामीण अंचलों में तैयारी

गांव में लोग अपने कच्चे मकानों की साफ-सफाई कर लिपाई -पोताई में जूट गए है।

जहां महिलाएं मिट्टी को जिला कर घर द्वार की दीवारें लिप रही है, वह पुरुष घर की सजावट और मरम्मत का काम कर रहे हैं, इधर , कुंभकार समुदाय के लोग भी मिट्टी के सुंदर दिए बनाकर गांव-गांव घूम कर मिट्टी के दिए बेच रहे हैं। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है और ग्रामीण लोग भी इन दीयों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीयों का विशेष महत्व माना गया है,अमीर और गरीब सभी लोग अपने घर के आंगन और धार्मिक स्थलों पर मिट्टी के दीयों से रोशन करते हैं। इसे शुभ और मंगलमदायक माना जाता है।

वही दीपावली के अवसर पर घरों की पूरी साफ- सफाई की जाती है। दीवारों पर रंग रोशन किया जाता है, आंगन और तुलसी चौरा को सजाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन घर में दीप जलाने से मां लक्ष्मी और धन का आगजामन होता है। जिन लोगों के परिवार के सदस्य बाहर रहते हैं, वे भी दीपावली के दिन अपने घर लौटकर परिवार के साथ दीप जलाकर त्योहार मानते हैं। दीपावली का यह पर्व पांच दिनों तक धूमधाम और आतिशबाजी के साथ मनाया जाता है।

दीपावली के अवसर पर लोग नई-नई वस्तुएं कपड़े, सोना चांदी, बर्तन मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर तक ख़रीदना शुभ मानते हैं, अमीर -गरीब सभी वर्ग के लोग दीपावली की तैयारियों में व्यस्त हैं और बाजारों में रौनक दिखाई देने लगी है। जहां लोग जमकर खरीदारी करने में लोग लगे हूए नजर आने लगे हैं।

### 18 को धनवंतरी पूजा और 20 अक्टूबर को चौदस

# 21 अक्टूबर को ही लक्ष्मी पूजन शुभकारी और शास्त्र सम्मत : पंडित प्रमोद शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

हिंदुओं का महत्वपूर्ण और बड़ा त्योहार दीपावली में मां लक्ष्मी की पूजन की तिथि को लेकर बने भ्रम की स्थिति पर स्थिति स्पष्ट करते हुए स्वामी श्री करपात्री जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य मानस केसरी पंडित प्रमोद शास्त्री ने बताया कि 21 अक्टूबर को ही मां लक्ष्मी की पूजन न केवल शास्त्र सम्मत है बल्कि अत्यंत शुभकारी भी है इस संबंध में उन्होंने इस विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि संपूर्ण देश में 22 पंचांग ने 21 अक्टूबर दिन मंगलवार को ही लक्ष्मी पूजन के लिए शुभ बताया है साथ ही साथ उन्होंने पांच दिवसी त्यौहार की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि 18 अक्टूबर दिन शनिवार को धन्वंतरि पूजा 20 अक्टूबर दिन सोमवार को रूप चौदस तथा 21 अक्टूबर दिन मंगलवार को मां लक्ष्मी की पूजा 22 अक्टूबर दिन बुधवार को गोवर्धन अन्य कूट पूजा तथा 23 अक्टूबर को भाई दूज का पर्व मनाने की तिथि के बारे में स्पष्ट रूप से कहा कि देव पंचांग में उल्लेखित उत्तर तिथि ही सर्वोत्तम है. इस संबंध में उन्होंने आगे स्पष्ट रूप से बताया कि जिस वर्ष 2 दिन अमावस्या हो तो शास्त्र के अनुसार दूसरे दिन ही ग्राहय होता है साथी उन्होंने बताया कि यदि सूर्योदय कल से साढे तीन पहाड़ तक अमावस्या तिथि हो तो पूरा दिन अमावस्या तिथि मानकर लक्ष्मी पूजन के लिए शास्त्र विहित माना गया है इस संबंध में लोगों का भ्रम दूर करते हुए उन्होंने यह भी कहा 21 तारीख को 5 बजे तक की अमावस्या तिथि की बात कही जा रही है जो उचित नहीं है क्योंकि तिथि उदया काल, सा तिथि सकला भवैत शास्त्रों में उल्लेखित इस वाक्य के अनुसार 21 की रात्रि तक लक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत माना गया है। व्यवहारिक दृष्टि कोड और अपनी परंपरा की अगर बात की जावे तो 20 तारीख को लक्ष्मी पूजन के उपरांत 21 तारीख को गोवर्धन पूजा नहीं हो पाएगी।

जबकि लक्ष्मी पूजन के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा मनाया जाने की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। साथ ही साथ पंडित प्रमोद शास्त्री ने लोगों का एक और जहां भ्रम दूर कर स्थिति स्पष्ट कर त्यौहार को परंपरा अनुसार उत्साह और श्रद्धा से मनाने की अपील की तथा उन्होंने दीपावली पर्व की शुभकामनाएं भी प्रेषित की है।